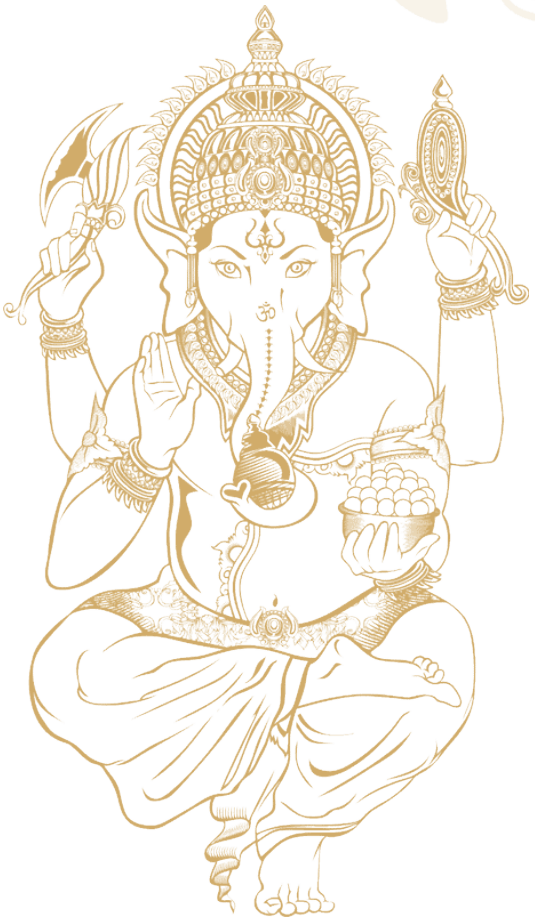

Sumit

Krati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121120402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/03/1995	जन्म तिथि	27/06/1998
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:10:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 19:40:12	जन्म समय(घटी)	30:36:09 घटी
India	देश	India
Patiali	स्थान	Mathura
27:41:00 उत्तर	अक्षांश	27:30:00 उत्तर
79:00:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:00	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:55	सूर्योदय	05:26:09
18:25:16	सूर्यास्त	19:18:05
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:02

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 18वर्ष 6मा 21दि		11:36:22	कर्क	लग्न	वृश्चि	19:31:39	बुध 8वर्ष 1मा 22दि	
बुध		06:28:22	मीन	सूर्य	मिथु	11:48:50	शुक्र	
11/10/2013		03:38:35	वृश्चि	चंद्र	कर्क	23:36:42	19/08/2013	
11/10/2030		19:26:30	कर्क व	मंगल	मिथु	00:07:54	19/08/2033	
बुध	08/03/2016	15:52:51	कुंभ	बुध	कर्क	00:16:34	शुक्र	19/12/2016
केतु	06/03/2017	21:23:44	वृश्चि	गुरु	मीन	03:32:55	सूर्य	19/12/2017
शुक्र	04/01/2020	28:01:15	मक	शुक्र	वृष	09:42:26	चन्द्र	20/08/2019
सूर्य	10/11/2020	23:05:09	कुंभ	शनि	मेष	07:46:52	मंगल	19/10/2020
चन्द्र	11/04/2022	12:13:31	तुला	राहु व	सिंह	09:05:06	राहु	19/10/2023
मंगल	09/04/2023	12:13:31	मेष	केतु व	कुंभ	09:05:06	गुरु	19/06/2026
राहु	26/10/2025	05:51:10	मक	हर्ष व	मक	18:16:10	शनि	19/08/2029
गुरु	01/02/2028	01:22:20	मक	नेप व	मक	07:37:15	बुध	19/06/2032
शनि	11/10/2030	06:43:37	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	12:04:48	केतु	19/08/2033

लग्न-चलित

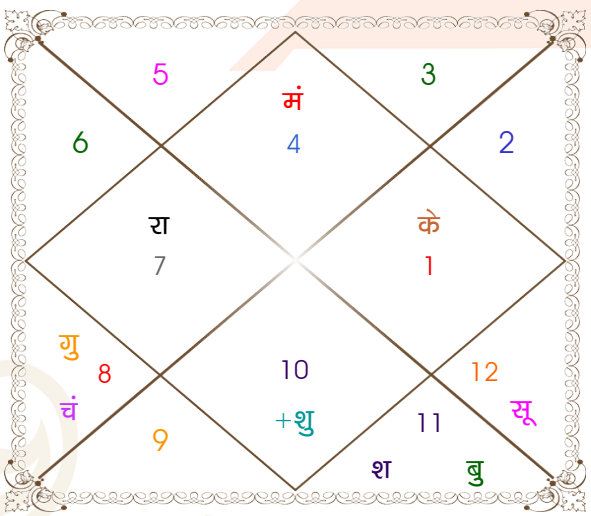

लग्न-चलित

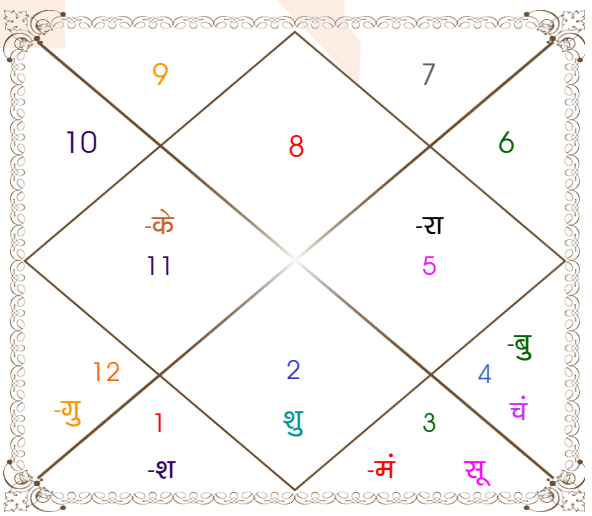

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sumit का वर्ग सर्प है तथा ज्ञतंजप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sumit और ज्ञतंजप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sumit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sumit कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञतंजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्ञतंजप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Sumit कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sumit तथा ज्ञतंजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।